जनता के लिये मरमिटना हिमालय पर्वत से भी महान है

28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह जोरशोर के साथ मनाओ

दुश्मन के लिये लड़ते हुए मरना पंख से भी हलका होता है. वही जनता के लिये लड़ते हुए मरना हिमालय पर्वत से भी महान होता है. इसलिये अमर शहीद मृत्युंजय हैं. वे मां-बाप व परिवार धन्य हैं जिन्होंने जनता के लिये लड़ते हुए बहादुरी के साथ मरने वाले सुपुत्रों, सुपुत्रियों को जन्म दिया. जिन शहीदों ने इस देश की मुक्ति के लिये अपने प्राणों का त्याग किया. दीर्घकालिन लोकयुद्ध को आगे बढ़ाने के लिये जनता को संगठित किया. क्रांतिकारी आंदोलन को कुचलने के लिये फासीवादी सरकार एक तरफ आपरेशन ग्रीनहंट सैनिक हमला चला रही है. तो दूसरी तरफ झूठी सुधार मुहिमें भी चला रही है. इस फासीवादी अभियान का मुहंतोड़ जवाब देते हुए शहीद हुए तमाम लाल जनयोद्धाओं को हमारी ओड़िशा राज्य कमेटी शत्-शत् नमन करती है. उन शहीदों के सपनों को पूरा करनी की शपथ लेती है. उन शहीदों को लाल सलाम अर्पित करती है.

महान नक्सलबाड़ी सशस्त्र किसान आंदोलन से लेकर आज तक क्रांतिकारी जनयुद्ध में, कृषि क्रांति की राह पर चलते हुए हजारों युवाक-युवतियों, मजदूर किसानों, छात्र-बुद्धिजिवियों ने कुर्बानियां दी हैं. पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जनसंगठनों, क्रांतिकारी आंदोलन के समर्थकों ने अपने खून से जनयुद्ध की राह को रोशन किया है. हमें कभी भी उन शहीदों की शहादतों को भूलना नहीं चाहिए. अभी वे हमारे साथ भौतिक रूप से नहीं हैं. लेकिन उनका राजनैतिक-सैद्धांतिक-सैनिक व्यवहार, दक्षता हमारे साथ है. हमें उनके व्यवहार दक्षता व आदर्शों को अपने जीवन में उतार कर शहीदों की राह पर चलते हुए राज्य की व्यापक जनता को संगठित करने का संकल्प ले कर 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद सप्ताह का पालन करेंगे. व्यापक जनता को संगठित करते हुए, आंदोलन को कठिन परिस्थितियों से बहार लाने के लिये खुद का बोल्शेविककरण करते हुए सुधरेंगे. यही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजली होगी.

राज्य में क्रांतिकारी आंदोलन के विस्तार में कई कामरेडों ने अपने अनमोल प्राणों को न्यौछावर किया हैं. इनमें काशिपुर बासंगमालि शहीद कामरेड रवी, लेंज सहित कई कामरेड्स, नियमगिरी शहीद कामरेड सुक्कई, पड़कीपाली घटना में कामरेड्स कोसा, चांदनी (नताशा), पारो, राजबति, बिरसा (लच्छू), रवी, अर्जून व कामरेड सुभाष दादा सहित दो अन्य ग्रामीण शहीद हुए. कामरेड सुक्कू उर्फ मोहन शहीद हुए. राजातालब झूठी मुठभेड़ में माधव सिंग ठाकूर व रमेश साहू को मार डाला, सनभांजीपाली में कामरेड मंजूला शहीद हुई. जोलाराव घटना में कामरेड्स समिरा, अरुणा और अमीला शहीद हुईं. सोनाबेड़ा एरिया कामरेड दिनेश व रिंगझोला में कामरेड मोती शहीद हुई, क्रांतिकारी आंदोलन के समर्थक रैसिंग भूंजिया भी बीमारी से शहीद हुए. इसके अलावा गंधमर्दन में कामरेड रोंडा (धनाजी), संतोष, अजय (सोनू), विजय शहीद हुए. अभी 8 मार्च को कालाहांडी जिला के गोलामुंडा ब्लाक, छुरा पहाड़ पर जुनागढ़ दस्ता डिप्यूटी कमांडर कामरेड मिरिया गोटा (सूरज, सूरेश, शिवलाल) शहीद हुआ. ये सब कामरेड्स जनता की मुक्ति के लिये, आंदोलन को विस्तार करने के लिये अपनी जान दिये हैं.

हमारी पार्टी के नेतृत्व में जारी जन आंदोलन को कुचलने, नेतृत्व का सफाया के मकसद से सरकार हजारों-हजार अर्ध सैनिक बलों, जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ, आइटीबीपी, और कोबरा, एसओजी जैसे कमांडों बलों को उतार कर, कार्पेट सैक्युरिटी के तहत नजदीक-नजदीक नये-नये कैंप डाल रही है. भारी कुंबिंग एरिया डामिनेशन अभियानों से जनता पर दभाव बढ़ाकर झूठी सुधार मुहिमों को संचालित कर रही है. अर्ध सैनिक बल अपनी क्रूर छवी सुधारने सिविक एक्शन कार्यक्रम के जरिए जनता को लुभा कर, गुमराह कर आंदोलन से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं. ताकि आंदोलन को विस्तार होने से रोका जा सके.

दूसरी तरफ रमन सिंग व नवीन पटनायक ने देश की खनिज संपदाओं, प्राकृतिक संसाधनों को कार्पोरेट घरानों, विदेशी कंपनियों को हवाले करने के लिये ही आक्रामक रूप से निजीकरण, उदारीकरण और भूमंडलीकरण की साम्राज्यवाद परस्त नीतियों को लागू कर रहे है. इसके साथ साथ जनाता के अपने जल-जंगल-जमीन, इज्जत व अधिकार के लिये चल रहे जन आंदोलनों को कुचला जा रहा है.

जन संगठनों व जन संघर्षों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं. इतना ही नहीं जन आंदोलन के नेताओं, कार्यकर्ताओं को मारने के लिये लाखों-करोड़ों इनाम घोषित किए जा रहे हैं. बेशर्मि के साथ हत्यारों को लाखों-लाख इनाम दिये जा रहे हैं. यह सरकार द्वारा दी जाने वाली फिरौती नहीं तो और क्या है? मानसिक युद्ध के तहत क्रांतिकारी आंदोलन के खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है. क्रांतिकारियों को आत्मसमर्पण कर खुशहाली का झूठा सपना दिखाया जा रहा है. सच्चाई ये है कि सरंडर कर के लोग कुत्ते की जिंदगी जीने पर मजबूर हो रहे हैं. सरंडर करने वालों को जनता पर दमन को बढ़ाने के लिये उनका इस्तेमाल किया जा रहा है. ये सारे हथकंडे आदिवासी विद्रोहों को कुचलने के लिये अंग्रोजों द्वारा अपनाये जाते थे. जो आज भी काले अंग्रेज अपना रहे हैं. इस योजना को जनसंघर्षों के जरिए ध्वस्त करना है.

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने चुनाव के समय महंगाई, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने, कालाधन विदेशों से वापिस लाने लोकलुभावन नारे दिये थे. लेकिन सत्ता में आने के बाद ही सब कुछ भूल कर सबसे पहले अमेरीकी साम्राज्यवाद के समाने सिर झुक कर परमाणू उर्जा संयंत्र, का करार किया और जापान, सिंगापुर, जर्मनी , फ्रांस जैसे देशों के पूंजीपतियों का घर घर बरकर पूंजी निवेश के लिये निमंत्रण दे रहे है. इसके लिये तर्क दे रहा है कि इस से देश का विकास होगा. क्या इतिहास में कभी किसी साम्राज्यवादी देश ने किसी देश का विकास किया है? नहीं साम्राज्यवाद इतना ही जानता है. कि तमाम सपत्तियों को लूट कर उसे कंगाल बनाना. अमेरिका सहित अन्य साम्राज्यवादियों, दलाल पूंजपतियों को देश को बेचने के लिये सैकड़ो गुप्त एमओयू कर रहा है. नियमगिरी, गंदमर्धान, कोरापुट, काशिपुर, जगतसिंगपुर, सुंदरगढ़ व बस्तर की जनता पर हमेशा विस्थापन की तलवार लटकी रहती है. दंतेवाड़ा के डिलीमिली में मेगा स्टील प्लांट का उद्घाटन कर, बैलाडिला के बाद और एक बड़े विस्थापन का उद्घाटन मोदी ने 9 मई को कर दिया है. यह परियोजना 10 हजार वर्ग किलोमीटर इलाके को प्रभावित करेगी. यह मेगा स्टील प्लांट व दल्ली-रावघाट-जगदलपुर रेल लाईन लाखों आदिवासियों को विस्थापित करने वाली परियोजानाएं हैं. जनता का समस्याओं को हल न कर मोदी पूंजीपतियों, विदेशी कंपनियों की समस्याओं को हल कर रहा है. जनता का विकास नहीं व साम्राज्यवादियों व दलाल पूंजीपतियों, जमींदारों का विकास कर रहा है. किसानों की जमीनों को कार्पोरेटों घरानों को सौंपने के लिये भूमि अधिग्रहण बिल लाया गया है. लेकिन पूरे देश में किसानों की फसल प्राकृतिक आपदाओं से नष्ट हो गयी है, उस पर मोदी का कोई ध्यान नहीं है. किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हैं. और मजदूरों को फैक्ट्रियों से निकाला जा रहा है. भाजपा सत्ता में आनके के बाद ब्राह्मणवादी हिंदू फासिवादियों का देश के कोने कोने में दलित आदिवासियों इसाईयों मुसलमानों और महिलाओं पर हमला, अत्याचार बढ़ गया है. घर वापसि के नाम से दलितों के गला में माला डालकर हिंदू धर्म में शामिल कर ले रहे हैं. इन सबका हल जनयुद्ध की सफलता से ही संभव है.

हमारी पार्टी तमाम किसान-मजदूरों, छात्र-बुद्धीजिवियों, जनवाद प्रेमियों, महिलाओं से अपील करती है कि देश को साम्राज्यवाद-सामंतवाद-दलाल नौकरशाह पूंजीवाद के चंगुल से आजाद करवाने के लिये माओवादी पार्टी में शामिल हो जाओ. मोदी की जनविरोधी, आदिवासी विरोधी, किसान-मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक जन आंदोलन खड़ा करें. दलितों, अल्पसंख्यकों पर हो रहे ब्राह्मणवादी फासीवादी संघ परिवार के हमलों के खिलाफ तमाम प्रगतिशील, धार्मिक सद्भाव की ताकतों को संयुक्त मंच पर आकर विरोध करना चाहिए. मोदी की साम्राज्यवाद व पूंजीवाद परस्त नीतियों का पर्दाफाश करते हुए लड़ाकू संघर्षों का निर्माण कीजिये.

- **शहीद तुम्हारे सपनों को मंजिल तक पहुंचाएंगे.**
- **मोदी सरकार की साम्राज्यवाद परस्त एलपीजी नीतियों का विरोध करेंगे.**
- **मोदी के मुखोटे का पर्दाफाश करेंगे.**
- **भाकपा (माओवादी) जिंदाबाद.**
- **इंकलाब जिंदाबाद**

ओड़िशा राज्य कमेटी

भाकपा (माओवादी)